


| | | |
|---|--|--|
|  सत्यमेव जयते | राजस्थान राजपत्र विशेषांक | RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary |
| | साधिकार प्रकाशित | Published by Authority |
| | फाल्गुन 18, बुधवार, शाके 1943-मार्च 09, 2022 <i>Phalguna 18, Wednesday, Saka 1943- March 09, 2022</i> | |

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, मार्च 02, 2022

संख्या 2(14)वन/21 :-चूँकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखलाई गई वन भूमि सरकार की संपत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्त है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन-उपज अथवा उसके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है ।

और चूँकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं ।

और चूँकि सरकार यह भी विचार रखती है कि,पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजड में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है,परन्तु चूँकि उन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका है

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13)की धारा 29 की उप-धारा (3)के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये,सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सैटलमेन्ट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी तथा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन,यथासाध्य उसी प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रावहित है ।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप-धारा (3)कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में,राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected forest) घोषित करती है परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेसर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त रक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं,राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में,पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी

प्रकार की उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और पशु-पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
बी प्रवीण,
शासन सचिव,
वन विभाग,
शासन सचिवालय, जयपुर।

| प्रथमअनुसूची | | | | | | | |
|--------------|------------------|-----------|-------------|---|----------------|----------|-------------------------|
| क्र.स. | नाम वन खण्ड | नाम तहसील | नाम जिला | सीमा | विवरण | | |
| | | | | | नाम ग्राम | खसरा नं. | क्षेत्रफल (हेक्टेयर) |
| 1 | इकलेरा सागर A | किशनगंज | बारा | उत्तर-वन भूमि पूर्व-वन भूमि दक्षिण-वन भूमि पश्चिम- जस्व भूमि एवं इकलेरा सागर तालाब | इकलेरा सागर | 394 | 89.21 |
| | | | | | | योग | 89.21 है० |

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

सर्वेयर
कार्यालय हाजा
उप वन संरक्षक, बारां

क्षेत्रीय वन अधिकारी
किशनगंज

(वी.चेतन कुमार)
उप वन संरक्षक
बारां

द्वितीय अनुसूची
पेड़ों की सूची

| क्र.स. | बोटैनिकल नाम | हिन्दी नाम |
|--------|---------------------------------|-----------------------|
| 1 | Anogeissus pendula, Wall | धौकडा, धौ, फलधी, धोक, |
| 2 | Acacia catechu Willd | खैर |
| 3 | Balanites roxburghi, Roxb | हीगोट |
| 4 | Butea mono sperma, Koenig | फलास, खाखरा, छोला |
| 5 | Emblica officinalis | आंवला |
| 6 | Cassia, Fistula Linn | अमलतास |
| 7 | Diospyros melanoxylon, Rech | तेन्दू टेमरू, |
| 8 | Madhuca latifolia, Roxb | महुआ |
| 9 | Tectona grandis, Linn | सगवान |
| 10 | Terminalia arjuna, Bedd | अर्जुन, कोहडा |
| 11 | Moringa oleifera | सेजन |
| 12 | Holoptelea integrifolia. Planch | चुरेल, कुंज, कांज |

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

सर्वेयर
कार्यालय हाजा
उप वन संरक्षक, बारां

क्षेत्रीय वन अधिकारी
किशनगंज

(वी.चेतन कुमार)
उप वन संरक्षक
बारां

कार्यालय उप वन संरक्षक, बारांप्रमाण पत्र

जिला -बारां

तहसील -किशनगंज

रेंज -किशनगंज

वनखण्ड -इकलेरासागरA

ग्राम -इकलेरासागर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का वर्गीकरण राजस्व रिकार्ड में महकमा जंगलात कर दिया गया है। जिस विज्ञप्ति में विस्तृत रूप से खसरा नम्बर विवरण सहित दर्शाया गया है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा वृक्षारोपण विकास कार्य कराये जाने की सम्भावना है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.1से 0.4है।
4. सीमावृत्ती क्षेत्र की स्थिति खातेदारी, नदी-नाले हैं तथा सीमा का उल्लेख एवं खसरा नं. व रकबा विज्ञप्ति में दर्ज कर दिया गया है।
5. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है। जिसमें खसरा नं. व प्रस्तावित वनखण्ड की सीमा दर्ज है। एवं जी.टी. शीट की छायाप्रति संलग्न है।
6. प्रस्तावित वनखण्ड के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीये गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सकें।
7. राजस्व अभिलेखों में अमलदरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।

8. उपरोक्त वनखण्ड नौनेरा परियोजना (E.R.C.P.) में प्रयुक्त हुई वन भूमि के बदले आयी राजस्व भूमि पर प्रस्तावित है। जिसका राजस्व अभिलेखों वन विभाग के नाम अमलदरामद करा लिया गया है।
9. उक्त प्रस्तावित भूमि का प्रकाशन, पूर्व में राजपत्र में नहीं हुआ है।
10. उक्त परियोजना के एवज में ग्राम इकलेरासागर में एक ही खसरे में कुल 93.08है0 गैर वनभूमि प्राप्त हुई थी परन्तु सेटलमेन्ट उपरान्त उक्त खसरे के अनेक भाग बना दिये गये हैं। जिनमें से अधिकांश: एक-दूसरे से लगते हुये नहीं हैं। इस सम्बन्ध में जिला कलक्टर बारां को भी अवगत करा दिया गया है। अतः अभी इकजाई एक खसरे को ही नोटिफिकेशन हेतु भिजवाया जा रहा है। शेष को पृथक से भिजवा दिया जायेगा ।

हस्ताक्षर

सर्वेयर
कार्यालय हाजा
उप वन संरक्षक, बारां

हस्ताक्षर

क्षेत्रीय वन अधिकारी
किशनगंज

हस्ताक्षर

(वी.चेतन कुमार)
उप वन संरक्षक
बारां

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।